>

Title: Need to construct Rail Over Bridges (ROB) over Katihar Railway Junction of Bihar.

श्री निखिल कुमार चौधरी : धन्यवाद राधे मोहन जी। यह डिविज़नल हैडक्वार्टर रहने की वजह से यहाँ पाँच तरफ की ट्रेनें पाँच दिशाओं में चलती हैं। कटिहार जो हमारे ज़िला का शहरी मुख्यालय है, इसको कई भागों में रेलवे लाइन बाँटती है। कटिहार होकर झारखंड की तरफ से, चाहे वह पाकुरका हो, साहेबगंज हो, उधर से पत्थर और बालू के 500 ट्रक बराबर आते हैं और इधर से 500-600 ट्रक जाते हैं। आम आबादी का सड़क पर जाने का जो दबाव है, वह तो है ही। हम बंगाल की सीमा से भी जुड़े हुए हैं। बंगाल से भी इसी रफ्तार से गाड़ियाँ आती हैं। हमारे यहाँ एन-एच 31 था। अब एन.एच. 81 पर भी काम हो रहा है जो बंगाल को जोड़ेगी। हमारा दर्द यह है कि झारखंड से जो गाड़ियाँ आती हैं और जो शहर के बीचों-बीच से गुज़रती हैं, जो यहाँ की ज़रूरतों को पूरा करती हैं, वहीं से आने वाली गिट्टी, बोल्डर, चिप्स और बालू से लोगों का काम होता है। लेकिन हमारा रेलवे का जो संपार है, वह गौशाला है, जो केवी1 है। दूसरा संपार जो बंगाल की तरफ से है, वह संपार केके1 है। हमारा कहना है कि इन संपारों पर बिहार सरकार ने गौशाला पर जो केन्द्र और राज्य की सहमति से 50-50 के सहयोग से जो आरओबी बनना है, राज्य सरकार ने अपनी सहमति दे दी है, लेकिन हमारी रेलवे इस बात के लिए तैयार क्यों नहीं है? रेल बजट पर मुझे बोलने का अवसर मुझे नहीं मिला, परंतु ज़ीरो आवर पर बोलने का मौका मुझे मिल गया और आप इस चेयर पर अध्यक्षता कर रहे हैं।

सभापति महोदय : आप रेलवे की कंसलटेटिव कमेटी के भी मैम्बर हैं?

श्री निखिल कुमार चौधरी : जी नहीं, मैं उसमें नहीं हूँ। मैंने अपनी डिमांड रखी है कि यह जो संपार गौशाला चौक पर हमारा संपार केवी1 है और भगवान चौक पर जो केके1 है, इन दोनों संपारों पर उपरिगामी रेल पथ जिसको हम रेल ओवर ब्रिज कहते हैं, यह बनना चाहिए, यह हमारी डिमांड है।

MR. CHAIRMAN : Now, Shri Aaron Rashid.

SHRI J.M. AARON RASHID (THENI): Thank your, Sir.

MR. CHAIRMAN: Mr. Aaron Rashid, you are not speaking from your seat. Where is your allotted seat?

SHRI J.M. AARON RASHID : It is in the back row.

MR. CHAIRMAN: All right. I am allowing you to speak from this seat.